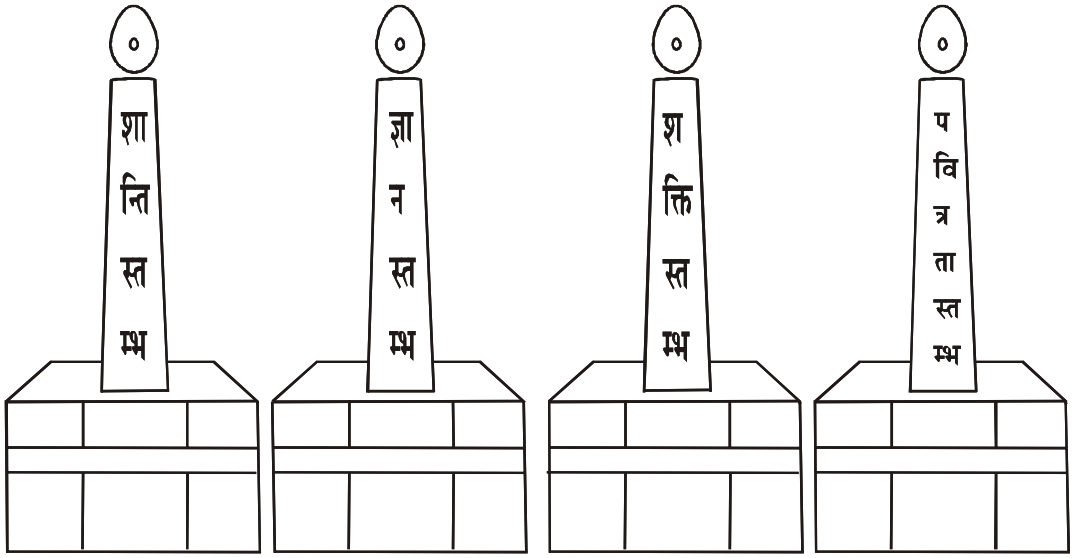

Inscriptions on the Tower of Peace

शान्ति स्तम्भ का लिखित रूप

शान्ति स्तम्भ

दिव्य गुण धारण करना	याद की यात्रा पर रहना	पवित्र बनना और बनाना
हमारे अति प्रिय पिताश्री जी की दिव्य स्मृति में		
जिन्होंने हमारे जीवन को कमल पुष्प समान बनाया,	जो शिव बाबा का साकार माध्यम हमें मुक्ति जीवन मुक्ति का मार्ग दिखाने के निमित्त बने,	जो अब भी अव्यक्त रूप में हमारी स्थिति को अव्यक्त बनाने में तत्पर हैं।

ज्ञान स्तम्भ

समय कम है, गफ़लत मत करो।	अविनाशी ज्ञान धन दान करो।

प्यारे वत्सो,
परमात्मा शिव सभी के परमपिता हैं,
भारत सर्व देशो में महान है,
आबू सभी तीर्थों में महान है,
यह रहस्य सभी को समझाना। ॐ शान्ति

शक्ति स्तम्भ

'निश्चय में ही विजय है।'	'ज्ञान स्वरूप बनो, प्रेम स्वरूप बनो, शक्ति स्वरूप बनो।'	'श्रीमत पर चलो तो श्रेष्ठ बनेंगे।'
-: त्रिमूर्ति शिव भवगवानुवाच :-		
'मीठे बच्चे, अपने को 'आत्मा समझो' और निरन्तर मुझ पारलौकिक परमपिता को याद करो।'	'लाडले बच्चे, इस सहज राजयोग से ही तुम्हारे जन्म-जन्मान्तर के विकर्म विनाश होंगे।'	'सिकिलधे बच्चे, इस पुरुषोत्तम संगमयुग में तुम्हारा यह ईश्वरीय जन्म हीरे तुल्य है।'

पवित्रता स्तम्भ

मन, वचन, कर्म से किसी को दु:ख न दो।	बेहद के बाप को और ईश्वरीय वर्से को याद करो।

प्यारे वत्सो,
मुक्ति और जीवनमुक्ति आपका ईश्वरीय
जन्म सिद्ध अधिकार है।
ॐ शान्ति

शान्ति स्तम्भ